भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4368
02/04/2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

सागर वाणी

4368 श्री नरहरी अमीन:
श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण:
श्रीमती किरण चौधरी:
श्री नारायण कोरागप्पा:
श्री जग्गेश:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सागर वाणी प्रणाली जैसी समुद्री सूचना प्रसार सेवाओं के अंतर्गत वर्तमान में शामिल किए गए तटीय जिलों और मछुआरा समुदायों की संख्या कितनी है;
(ख) कर्नाटक सहित इन सेवाओं के माध्यम से संभावित मत्स्य पालन क्षेत्रों, समुद्री स्थिति पूर्वानुमान और आपदा चेतावनियों से संबंधित परामर्शी प्राप्त करने वाले मछुआरों की संख्या कितनी है;
(ग) क्या मंत्रालय ने मोबाइल एप्लिकेशन, सामुदायिक रेडियो या उपग्रह आधारित संचार प्रणालियों के माध्यम से ऐसी परामर्शियों के प्रसार का विस्तार किया है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) मंत्रालय द्वारा कर्नाटक सहित दूरस्थ तटीय क्षेत्रों में मछुआरों तक समुद्री परामर्शियों के अंतिम छोर तक प्रदायगी में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS), महासागर-आधारित पूर्व चेतावनी और परामर्श सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है। ये सेवाएँ भारत के सभी तटीय राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों और जिलों में उपलब्ध हैं। भारत के सभी तटीय जिलों में लगभग 8 लाख मछुआरे और अन्य तटीय हितधारक, मछली पकडने के संभावित क्षेत्र संबंधी परामर्श और इंकॉइस की अन्य सेवाएँ प्राप्त कर रहे हैं।

(ख) कर्नाटक के सभी तीन तटीय जिलों (उत्तर कन्नड़, उडुपी और दक्षिण कन्नड़) में 29 मछली लैंडिंग केंद्रों (एफएलसी) के माध्यम से महासागर सूचना सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। ये सेवाएं आस-पास के गांवों में मछली पकड़ने वाले समुदायों को मछली पकड़ने की गतिविधियों की योजना बनाने और उन्हें शुरू करने में सहायता करती हैं, साथ ही स्थानीय हितधारकों के लिए महासागर संबंधी जानकारी की उपलब्धता को सुगम बनाती हैं। कर्नाटक में लगभग 22,755 उपयोगकर्ताओं तक इंकॉइस द्वारा व्हाट्सएप, ईमेल, एसएमएस, टेलीग्राम, समुद्र मोबाइल एप्लिकेशन आदि सहित कई संचार चैनलों के माध्यम से सीधे संपर्क किया जाता है। इन प्रत्यक्ष संचार चैनलों के अलावा, इन्हीं सेवाओं का प्रसार गैर सरकारी संगठनों, रिलायंस फाउंडेशन, एम.एस. स्वामीनाथन फाउंडेशन, राज्य मत्स्य पालन विभागों आदि जैसे सहयोगी संगठनों के माध्यम से भी किया जाता है, जिससे उनकी पहुंच व्यापक उपयोगकर्ता आधार तक बढ़ जाती है।

(ग) जी हां। इंकॉइस एसएमएस, मोबाइल फोन, ईमेल, वेबसाइट, मोबाइल एप्लिकेशन, सामुदायिक रेडियो, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, उपग्रह आधारित संचार प्रणाली (जेमिनी प्लेटफॉर्म, वीओआईपी फोन) आदि सहित एक मजबूत बहु-चैनल संचार ढांचे के माध्यम से महासागर से संबंधित अलर्ट और परामर्श प्रसारित करता है। इसके अलावा, संभावित मत्स्य पालन क्षेत्र एडवाइज़री और महासागर राज्य पूर्वानुमान स्थानीय भाषाओं में प्रदान किए जाते हैं ताकि तटीय समुदायों और मछुआरों द्वारा पहुंच को बढ़ाया जा सके और प्रभावी उपयोग को सुविधाजनक बनाया जा सके। इंकॉइस कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल (सीएपी) -आधारित सचेत प्लेटफॉर्म के माध्यम से अलर्ट भी जारी करता है, जिससे राज्य और जिला प्राधिकरणों को महासगार संबंधी चेतावनी और अलर्ट का निर्बाध प्रसारण सक्षम होता है और ये आम जनता तक प्रसारित होता है।

इंकॉइस ने अपनी महासागर सूचना सेवाओं तक पहुंचने के लिए वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में बहुभाषी **समुद्र** (स्मार्ट एक्सेस टू मरीन यूज़र्स फॉर ओशन डेटा रिसोर्सेज एंड एडवाइजरीज़) मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया है। यह ऐप सुनामी, तूफान के ज्वार, ऊंची लहरों और स्वैल सर्ज जैसे महासागर जोखिमों पर रियल टाइम की चेतावनी प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता समय पर एहतियाती उपाय कर सकते हैं। यह मछुआरों को मछली एकत्रीकरण संभावित क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करने के लिए पीएफजेड परामर्श भी प्रदान करता है, जिससे पकड़ दक्षता में सुधार होता है और आजीविका में सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा, समुद्र नाविकों, मछुआरों और तटीय समुदायों को अग्रिम योजना बनाने जोखिम में कमी लाने और समुद्री सुरक्षा बढ़ाने में सहायता करने के लिए पांच दिवसीय महासागर राज्य पूर्वानुमान प्रदान करता है। इन सभी प्रसार चैनलों का उपयोग कर्नाटक में किया जा रहा है।

(घ) दूरस्थ तटीय क्षेत्रों में मछुआरों को समुद्र संबंधी परामर्श की अंतिम-छोर तक उपलब्धता में सुधार करने के लिए, इंकॉइस तटीय राज्यों / संघ राज्यों में निरंतर पहुंच और क्षमता निर्माण पहल करता है। इन गतिविधियों में जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण सत्र, सुनामी मॉक ड्रिल और राज्य एजेंसियों, स्थानीय प्राधिकरणों, शैक्षणिक संस्थानों और तटीय हितधारकों के सहयोग से कार्यान्वित सुनामी रेडी कार्यक्रम शामिल हैं।

इसके अलावा, इंकॉइस तटीय समुदायों और मछुआरों के लिए लक्षित आउटरीच कार्यक्रम भी आयोजित करता है, जिसमें उपयोगकर्ता परिचर्चा कार्यशालाएं और प्रशिक्षण सत्र शामिल हैं, ताकि विशेष रूप से दूरस्थ और अपतटीय जल में काम करने वालों के लिए तैयारी, प्रचालन सुरक्षा, स्थितिजन्य जागरूकता और जोखिम कम किया जा सके। इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम, समुद्र तट सफाई अभियान और मॉक ड्रिल कर्नाटक में आयोजित किए गए हैं।

****